

18/2/19

(11)

Page No.:
 Date: / /



ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग
(Trans Siberian Railway)

18/7/19

12

Page No.:
 Date: / /

कैनेडियन - पैसिफिक रेलमार्ग (Canadian Pacific Rail

Route) - यह कनाडा का सबसे महत्वपूर्ण रेलमार्ग है। यह रेलमार्ग साल 1882-86 में पूर्ण किया गया था। यह कनाडा के पूर्वी सिरे पर न्यूफ़ाउन्डलैंड राज्य के सेंट जॉन तथा वेस्टन डीलीफ़ेन्स नगरों को देश के पश्चिमी छोर तथा संयुक्त राज्य अमेरिका की सीमा पर स्थित ब्रुकबर्ग नगर से मिलता है। इसकी लंबाई 5,600 किलोमीटर है, स्वप्रथम यह सेंट जॉन से संयुक्त राज्य के ग्रेट राब्स में प्रवेश करता है तथा उसे पार करके सेंट लॉरेन्स नदी पर स्थित मॉन्ट्रियल (मुख्य व्यापारिक नगर पहुँचता है।

स्थापित की गई थी। सेंट लॉरेन्स नदी के तट जाले से इस रेलमार्ग को महत्ता और बढ़ जाती है। मॉन्ट्रियल के पश्चात् यह औटावा नदी के किनारे बसे औटावा नगर पहुँचता है। यह कनाडा की राजधानी है।

महत्त्व - कनाडा - प्रशांत रेलमार्ग का कनाडा के लिए महत्त्व है जो साइबेरियापारीय रेलमार्ग का रुख के लिए है। यद्यपि इसका निर्माण ब्रिटिश कोलंबिया की कनाडा के अन्य राज्यों के साथ मिलाने के लिए किया गया था तथापि कालान्तर में इसका आर्थिक महत्त्व बहुत बढ़ गया। यह रेलमार्ग कनाडा के पूर्वी तथा पश्चिमी भागों को मिलाना है, शीतकाल में जलमार्गों जम जाने हैं और वे यातायात के बाधा नहीं रहते। इस रेलमार्ग के निर्माण से यातायात बिना किसी रुकावट के सारा साल चलता रहता है, इस रेलमार्ग द्वारा प्रशांत का ग्रेट पूर्वी बन्दरगाहों को जोड़ा जाता है।

25/3/19

निम्नलिखितियों द्वारा ही रहा है।

iii) साइबर स्पेस - इंटरनेट - बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक सूचनाओं के अंकीकरण की प्रसंगिक थीं- थीं कंप्यूटर का अंग बन गया, जिसमें इंटरनेट के आविर्भाव से एक समन्वित तंत्र का निर्माण हुआ। आज संसार में इंटरनेट सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली है।

इंटरनेट की सुविधाजनक संपर्क प्रणाली द्वारा की गई प्रयोगकर्ता माइक्रोकंप्यूटर और मोडम के आविर्भाव से साइबर स्पेस से जुड़ सकता है। साइबर स्पेस ने इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटरीकृत सूत्र का संसार है, जो इंटरनेट और वर्ल्ड वाइड वेब पर ही प्रौद्योगिकी की संचालित होता है। स्वतंत्र संसार (साइबर स्पेस) आज किसी कार्यालय, उद्योग या कहें भी ही बनता है।

iv) भौतिक सूचना तंत्र (Geographical Information Systems GIS) - जब 1960 के दशक में भौतिक सूचना तंत्र

Geographical Information Systems - (GIS) का पहली बार विकास हुआ था जब यह मानचित्रों के ऑकड़ी की संसाधित करने के लिए संचालक (computer) पर आधारित अनुप्रयोग के आतिरेकन और कुछ भी नहीं था। कि आज यह शिक्षा, उद्योग में एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है और कंप्यूटर उद्योग में सबसे अधिक जाने उच्चता कर रहा है। दूसरे शब्दों में यह एक कंप्यूटर तंत्र है जो भौतिक संरचनाओं को

25/9/19

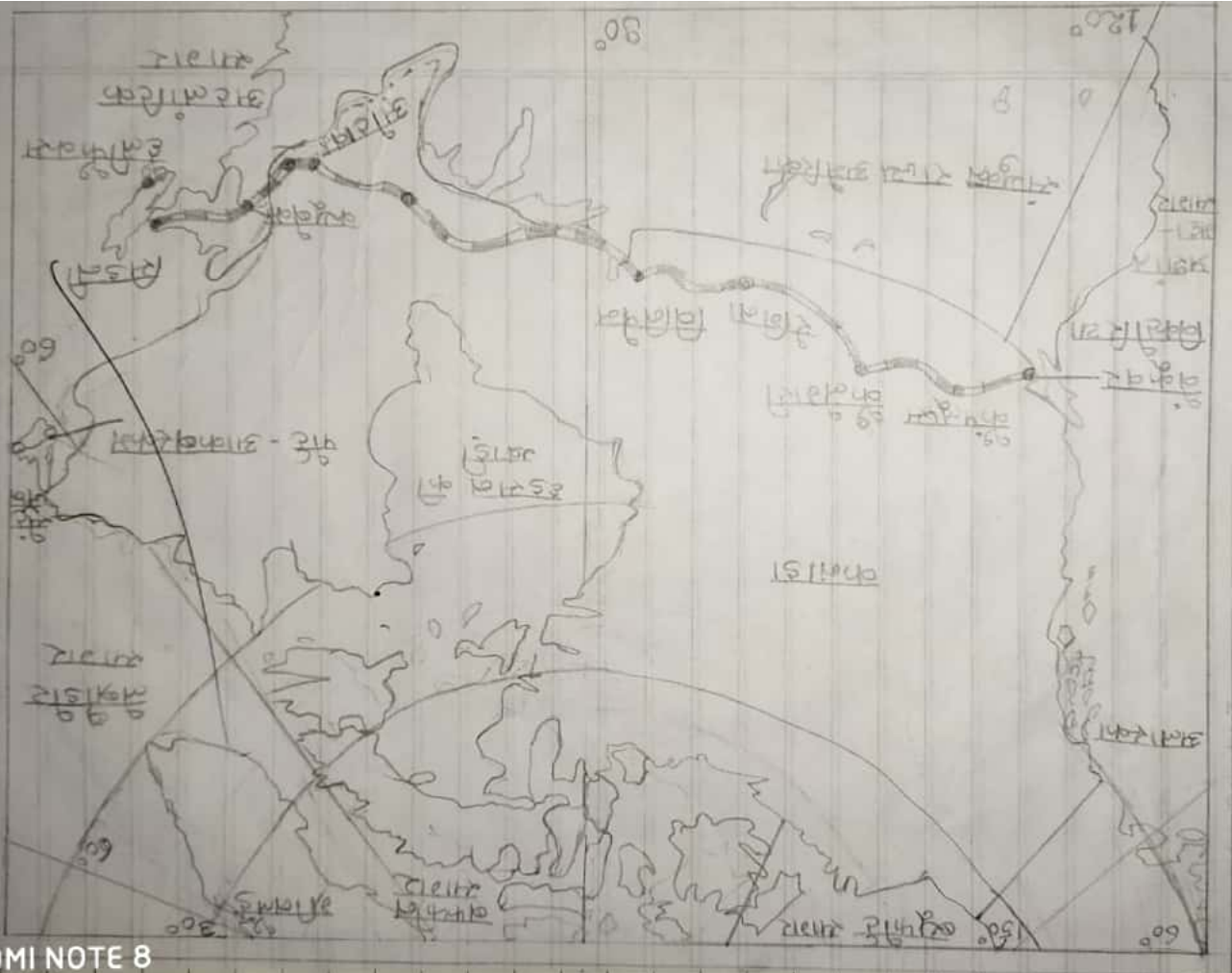
17

Page No. :
 Date : / /

2. इसमें भारी तथा सस्ती वस्तुएँ नहीं दीयी जा सकती।
3. यह हल्की, कोमली तथा जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की होने का सबसे अच्छा साधन है,
4. प्राकृतिक विपदाओं में फँसे हुए लोगों की रक्षा, आँजन तथा अन्य आवश्यक वस्तुएँ पहुँचाने के लिए वायुयानों का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।
5. दुर्घट में वायु परिवहन किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति मानी जाती है,
6. महाड़ी इलाकों में यह परिवहन बहुत लाभकारी है क्योंकि वहाँ पर रेल व सड़कें नहीं बालाई जा सकती।

वायु परिवहन के दोष :

1. यह परिवहन का सबसे महँगा साधन है अतः इसका लागत केवल धनी लोग ही उठा पाते हैं।
 2. खराब मौसम में वायु-सेवा उपलब्ध नहीं होती।
 3. वायुयानों की दुर्घटनाएँ एवं अपहरण की समस्याएँ कई बार बार अचानक रूप धारण कर लेती हैं।
- नवीनतम विकास अथवा वायु परिवहन की भारी दिशा बदल सकती है। अभी से ऐसे सुपरसोनिक विमानों जैसे कानकार्ड का विकास किया गया है, जिससे ह्यूयार्क तथा लंदन के बीच से की दूरी को मात्र साढ़े तीन घंटों ही तय किया जा सकता है।



ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलमार्ग (Australian Trans-Continental Railway) - यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे महत्वपूर्ण व लंबा रेलमार्ग है जो पश्चिम तट की रूरी तट से बिलारा है। यह मार्ट पर्थ से आरम्भ होकर कोलबुर्ग, क्लोथार्ड, स्टर्लिंग और कैलबरा होता हुआ सिडनी तक जाता है। ऑस्ट्रेलिया विशाल अक्षयल से होकर निकलने वाला इतना बड़ा रेलमार्ग विश्व में अत्यन्त लंबे है तथा सैकड़ों किलोमीटर तक बिना रुई स्पीड जाता है। ऑस्ट्रेलिया के अधिकांश नगर इसी रेलमार्ग पर स्थित हैं, जहाँ उपलब्ध वितरण और व्यपार इसी मार्ग द्वारा होता है। अब सिडनी से होकर बौकल हिल होकर पीट पिरी तक एक उत्तरवर्ती मार्ग बनाया गया है, यह खलिज - प्रवालद्वीप भी है। मुख्य मार्ग की सिडनी से स्टर्लिंग तक हीटरा एवं विहुल चलित बनाया गया है पीट पिरी पर हीने रेलमार्ग खोल लगे हैं।

25/7/18

स्मरणी हैं, प्रितियापीलिस तक बड़े जहाज आ सकते हैं।
मि प्रियासिपी तथा ओडिगि नदियों की बृहन झीलों
के साथ नहरों द्वारा भिताया गया है। श्री नज्वाहेला
सबसे अधिक प्रयोग की जानेवाली नदी है।
प्रियासी नदी मुख्य प्रियासिपी नदी के साथ सेंट
लुई स्थान पर मिलती है और यह रॉकी पर्वत
के गिरिपट्ट तक यातायात के लिए प्रयोग की
जानी है, प्रियासिपी नदी तक बृहन झीलों के
बीच इलीनायस नदी एकमात्र कड़ी है। यह जलमार्ग
उत्तरी अमेरिका के आन्तरिक भागों की रैविस्को की
खाड़ी के साथ मिलता है। इस जलमार्ग पर कौयला,
पीटेलियस तथा लिभिण वरतुई हीई जाती है।

25/7/18

Q5.

वायु परिवहन क्या है ?

Ans

आधुनिक युग की दवाई युग यानि की Air Age भी
कहा जाता है। आधुनिक युग में दवाई परिवहन का
प्रचलन बहुत अधिक है। पिछले 50 वर्षों में वायु
परिवहन में काफी वृद्धि हुई है। वायु परिवहन
के द्वारा समय की भी काफी बचत होती है।

Q6.

वायु परिवहन के विशेषताओं और दोषों को लिखो लिखो।

Ans

वायु परिवहन की विशेषताएँ :

1. यह परिवहन का सबसे तीव्र तथा सबसे महंगा साधन है।
साधन है।

8/7/18



अमेरिकी महाद्वीप में मिसेसिपी नदी का नक्शा - कान्टीनेण्टल रेलवे मार्ग

(Australia Trench - Continental Railways)

24/7/18

94.

Ans

मिसिसिपी नदी नल (Mississippi River System) की व्याख्या करें।
 उत्तरी अमेरिका का दूसरा महत्वपूर्ण आन्तरिक जलमय निसीक्षिपी नदी नल का है। इसमें मुख्य निसीक्षिपी तथा इसकी सहायक नदियाँ (ओहियो, डेलीवैरस, मिसिसिपी तथा रीड रिबर) समाहित हैं। मिसिसिपी नदी में इसके मुहाने से लेकर सेंट पॉल तक 3,500 कि.मी. की दूरी तक जहाज जा

25/4/19

Q7. पाइपलाइन की आय क्या समझते हैं?

Ans पाइपलाइन परिवहन एक ही गतीनतम माध्यम है यह विशेष रूप से पेट्रोलियम, गैसोलिन, ग्राफ़्टिक गैस, जल के परिवहन के लिए उपयोग किया जाता है इसकी बनावी में शुक्र में काफी खर्च होती है लेकिन जब यह एक बार बन जाता है और इससे बहुत लाभ उठाया जा सकता है।

Q8. पाइपलाइन परिवहन के गुण और दोषों की लिखें?

Ans पाइपलाइन परिवहन के गुण :

- i) पाइपलाइन एक रैसा परिवहन है जिसे उल्पाइ - खाबइ जमीनी के नीचे भी बिछाया जा सकता है।
- ii) शुक्र में बिछाने में रैसा इसकी बिछाने में रैसा ज्यादा खर्च होता है लेकिन वाह में इसके रख-रखाव में या फिर मीनटेन्नेस (Maintenance) में कम खर्च होता है इस परिवहन के द्वारा समय की बर्बादी नहीं होती इससे बहुत कम खर्च लगता है।
- iii) ये परिवहन का निवर सरता और हिनसी साधन है।
- iv)
- v)

पाइपलाइन के परिवहन के दोष :

- i) पाइपलाइनों में कोई लचीलापन नहीं होता।
- ii) एक बार इसे बनावी पर न ही इसकी दमता की बढ़ाया जा सकता है न ही घटाया जा सकता है।
- iii) कुछ इलाकों में इनकी सुरक्षा करना मुश्किल है।